शख्सियत **अजीत सिंह,** संयुक्त निदेशक नगरीय परिवहन निदेशालय

नगरीय परिवहन होगा बेहतर

सार्वजनिक परिवहन के बेहतर साधन, शहर के ट्रैफिक की सुदृढ़ता के परिचायक होते हैं। शहर में सार्वजनिक परिवहन के साधन जितने बेहतर होंगे उस शहर का आवागमन भी उतना सुगम होगा। राजधानी की सड़कों पर संचालित हो रहीं नगरीय बसें शहर की लाइफ लाइन मानी जाती हैं। जिनका बेड़ा बढ़ाकर शहरवासियों को बेहतर परिवहन की सुविधा देने का काम नवगठित नगरीय परिवहन निदेशालय करने जा रहा है। महानगरीय परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने का जिम्मा मौजूदा संयुक्त निदेशक नगरीय परिवहन निदेशालय अजीत सिंह के मजबूत कंधे पर है। **बिजनेस लिंक** संवाददाता **पंकज पाण्डेय** ने इस मुद्दे पर उनसे विशेष बातचीत की, प्रस्तुत हैं मुख्य अंश-

♦ नगरीय निदेशालय का उद्देश्य क्या है?

निदेशालय के गठन का उद्देश्य शहर का समग्र विकास है। आगामी वर्षों के लिए एक ऐसा एक्शन प्लान तैयार किया जाना है, जिसमें शहर के एक ही क्षेत्र में सभी चीजें उपलब्ध न होकर, सभी क्षेत्रों में उनकी उपलब्धता सुनिश्चित कराना है। इसके अंतर्गत प्रदेश की 653 अर्बन लोकल बॉडीज शामिल हैं। सूडा, डूडा, नगर निगम, ग्राम पंचायत, नगर पंचायत सभी इसमें शामिल हैं। मौजूदा समय में शहर के तेजी से बढ़ते विस्तार के मुताबिक आगामी वर्षों के लिए विकास की सिस्टमैटिक रुपरेखा तैयार करने का काम निदेशालय कर रहा है। इसके अंतर्गत डेवलपमेंट अथारिटी से लेकर शहर के विकास और विस्तार से जुड़े सभी विभाग एक साथ काम कर रहे हैं। जिसका सम्मिलित प्रयास आगामी वर्षों में दिखायी पड़ेगा।

♦ सिटी बसों की हालत खस्ताहाल है, इसकी बेहतरी के लिए क्या हो रहा है?

नगरीय परिवहन निदेशालय सिटी बसों की सेहत सुधारने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। शहरवासियों को एसी बसों की सुविधा के साथ मौजूदा सिटी बस बेड़े में शामिल सभी 260 बसों को ऑनरोड करने की दिशा में प्रयासरत है।

♦ सिटी बसों का बेड़ा बढ़ाए जाने को लेकर क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

शहर की बढ़ती आबादी और विस्तार को ध्यान में रखते हुए साल भर के अंदर 300 नई सिटी बसें बेड़े में शामिल होंगी। इनमें 150 बसें गोमतीनगर डिपो और 150 बसें दुबग्गा डिपो के लिए मंगाई गयी हैं। इन नई बसों के आ जाने के बाद सिटी बस का बेड़ा 450 बसों को पार कर जाएगा और राजधानीवासियों को बेहतर परिवहन की सुविधा मिलेगी।

शेष पेज 13

नगरीय परिवहन होगा बेहतर

♦ शहर में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए क्या योजना है?

प्रदूषण कम करने को लेकर इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए केंद्र की ओर से खाका तैयार किया जा रहा है। पहले चरण में देश के 5 शहरों में इलेक्ट्रिक बसें संचालित होनी हैं। कोशिश की जा रही है कि इन 5 शहरों में यूपी का भी एक शहर हो। वह शहर लखनऊ, वाराणसी, नोएडा या गाजियाबाद कोई हो सकता है। इन 5 शहरों के लिए 250 बसें खरीदी जानी हैं। एक बस की कीमत करीब 2 करोड़ 25 लाख रुपये है। जिसमें एक करोड़ रुपये केंद्र सरकार देगी।

♦ एथनाल से चलने वाली बसों को भी खरीदने की योजना है?

एथनाल से चलने वाली बसों की खरीद को लेकर पूर्व में कवायद की जा रही थी। लेकिन एथनाल महंगा होने और प्रदेश में उपलब्धता न होने के चलते फिलहाल यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। प्रदूषण को लेकर परिवहन विभाग की ओर से एथनाल से चलने वाली बसों को हरी झंडी नहीं मिल पायी। अभी नागपुर में एथनाल से चलने वाली बसें संचालित की जा रही हैं।

♦ निजी बस आपरेटरों से भी सिटी बसों के अनुबंध की योजना है?

सिटी बस का बेड़ा बढ़ाने के लिए निजी बस आपरेटरों को भी शामिल करने की योजना है। निजी बस आपरेटरों से ऐसे अनुबंध की योजना है, जिसके तहत प्रत्येक 4 महीने में कुल बसों के 25 फीसदी की संख्या में नई बसें शामिल की जाएं। इससे लंबे समय तक बेड़े में नई बसें बनी रहेंगी।

♦ सिटी बस के लिए शहर में कोई बस अड्डा नहीं है?

चारबाग से रोडवेज बसों का संचालन शुरु होने के बाद सिटी बस के लिए कोई बस अड्डा नहीं बचा। एलडीए द्वारा शहर के अंदर छोटे-छोटे बस अड्डों के लिए जमीन उपलब्ध करायी गयी है। जिनको विकसित किया जाएगा और उनका उपयोग बस अड्डे के रुप में किया जाएगा। गोमतीनगर में सहारा हास्पिटल के सामने, वृंदावन और राम-राम बैंक चौराहे के पास ऐसे बस अड्डे हैं, जिन्हें विकसित किया जाएगा।

♦ महिलाओं की सुरक्षा को लेकर क्या प्रयास चल रहे हैं?

महिला सुरक्षा को लेकर नई आने वाली सिटी बसों में सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन समेत अन्य जरुरी चीजें लगकर आएंगी। शहर में संचालित बसों में कैमरे आदि लगाए जाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसकी निगरानी के लिए कंट्रोल रुम बनाया जाएगा और इसका कनेक्शन डायल 100 से जुड़ा रहेगा।

♦ नगरीय परिवहन को स्मार्ट बनाने के लिए कोई एक्शन प्लान?

सरकार विकास को लेकर बहुत संजीदा है। श्रीपी मॉडल को लागू कर सभी विकास के कार्य कराए जाने की योजना है। सिटी बसों के लिए भी कराए जाने वाले काम इसमें शामिल हैं। नगरीय परिवहन निदेशालय की ओर से शहर में करीब 200 ई-बस शेल्टर भी बनाए जाने हैं। आलमबाग की तर्ज पर चारबाग बस अड्डा भी आगामी दिनों में विकसित किया जाएगा। हमारा पर्यास रहेगा कि सभी कार्य स्मार्ट तरीके से हो ताकि नगरीय व्यवस्था में परिवर्तन देखने को मिले।